भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.03.2026 के
तारांकित प्रश्न सं. 264 का उत्तर

हिसार-फतेहाबाद-सिरसा नई रेल लाइन परियोजना

***264. कुमारी सैलजा:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2002 के दौरान घोषित हिसार-फतेहाबाद-सिरसा नई रेल लाइन परियोजना को नकारात्मक प्रतिफल दर के आधार पर बंद या रद्द कर दिया है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं तथा इस परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ख) क्या सरकार का विचार इस क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक फ़ायदों, क्षेत्रीय संतुलन, शैक्षिक/व्यावसायिक आवश्यकताओं और धार्मिक/ऐतिहासिक स्थलों से जुड़ी जनता की मांग को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना का पुनर्मूल्यांकन करने का है और यदि हां, तो इस परियोजना के पुनर्मूल्यांकन/अनुमोदन/कार्यान्वयन की संभावित समय-सीमा सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 11.03.2026 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 264 के भाग (क) और (ख) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): हिसार और सिरसा पहले से ही भारतीय रेल नेटवर्क पर भट्टू कलां के रास्ते भली-भांति जुड़े हुए हैं। फतेहाबाद और अगरोहा के रास्ते हिसार से सिरसा (93 किलोमीटर) का सर्वेक्षण किया गया। कम यातायात अनुमानों के कारण इस परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानकों/कारकों पर निर्भर करती है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली आरंभिक और अंतिम गंतव्य स्थान पहुंच संपर्कता**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार**
- **राज्य सरकारों/केन्द्रीय मंत्रालयों/जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएं**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

<u>हरियाणा</u>

रेल बजट:

हरियाणा राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी कार्यों के लिए बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹315 करोड़ प्रति वर्ष
2025-26	₹3,416 करोड़ (लगभग 11 गुना)

स्वीकृत परियोजनाएं:

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, हरियाणा में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 8 परियोजनाएं (01 नई लाइन और 07 दोहरीकरण), जिनकी कुल लंबाई 491 किलोमीटर और लागत ₹6,775 करोड़ है, स्वीकृत की गई हैं। कार्य की स्थिति का सार इस प्रकार है:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2025 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	1	28	0	925
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	7	463	0	646
कुल	8	491	0	1571

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

हरियाणा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	जींद-सोनीपत नई लाइन (89 किलोमीटर)	800
2	रेवाडी-रोहतक नई लाइन (85 किलोमीटर)	1001
3	रोहतक-महम-हांसी नई लाइन (64 किलोमीटर)	889
4	सूरतपुरा-हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर आमान परिवर्तन (241 किलोमीटर)	896
5	जयपुर-रींगस-सीकर-चूरू और सीकर-लोहारू आमान परिवर्तन (320 किलोमीटर)	1105
6	जाखल-मानसा दोहरीकरण (45 किलोमीटर)	163
7	खुखराना-पानीपत दोहरीकरण (8 किलोमीटर)	58
8	अंबाला-धप्पर-चंडीगढ़ दोहरीकरण (45 किलोमीटर)	339
9	रेवाडी-मनहेरू दोहरीकरण (69 किलोमीटर)	465
10	तुगलकाबाद-पलवल चौथी लाइन (34 किलोमीटर)	366
11	मथुरा-पलवल चौथी लाइन (80 किलोमीटर)	669
12	पलवल-न्यू पिरथला नई लाइन (10 किलोमीटर)	66

चालू परियोजनाएं:

हरियाणा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं जो शुरू की गई हैं, इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रुपए में)
1	रेवाड़ी-खाटुवास दोहरीकरण (28 किलोमीटर)	352
2	भिवानी-डोभ-भाली दोहरीकरण (42 किलोमीटर)	471
3	मानहेरू-बवानी खेड़ा दोहरीकरण (32 किलोमीटर)	413
4	खाटुवास-नारनौल दोहरीकरण (24 किलोमीटर)	313
5	दिल्ली-पानीपत-अंबाला तीसरी और चौथी लाइन (194 किलोमीटर)	5983

हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर (एचओआरसी):

इसके अलावा, हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर (एचओआरसी) परियोजना (126 किलोमीटर) को 5618 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृति दी गई है। यह परियोजना हरियाणा रेल अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एचआरआईडीसी), जो हरियाणा राज्य सरकार (51%) और रेल मंत्रालय (49%) की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, द्वारा निष्पादित की जा रही है। यह परियोजना गुरुग्राम, फरीदाबाद, बल्लभगढ़, पलवल, मानेसर और फर्रुखनगर आदि के लिए हरियाणा पेरिफेरल रेल लिंक के सभी जिलों के साथ सीधी संपर्कता प्रदान करेगी जिसके फलस्वरूप हरियाणा के औद्योगिक विकास में सहायता मिलेगी। इस परियोजना के पातली-मानेसर-एमएसआईएल कनेक्टिविटी लाइन (10 किलोमीटर) खंड का कार्य पूरा कर लिया गया है। धुलावट से बादसा (29 किलोमीटर) में कार्य शुरू कर दिया गया है।

रेल परियोजना/ओं का पूरा होना विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी स्वीकृति
- बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां
- क्षेत्र की भू-वैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियां
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति
- परियोजना स्थल विशेष के लिए किसी वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/ओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

चालू सर्वेक्षण/विस्तृत परियोजना रिपोर्टें:

पिछले तीन वर्षों 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में हरियाणा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 1704 किलोमीटर कुल लंबाई वाले 24 सर्वेक्षण (08 नई लाइन और 16 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

हरियाणा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले कुछ महत्वपूर्ण सर्वेक्षण जो शुरू किए गए हैं, इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	परियोजना	लंबाई (किलोमीटर में)
1	पलवल-पिरथला दोहरीकरण	9
2	गढ़ी हरसरु-फर्रुखनगर दोहरीकरण	11
3	हिसार बाईपास लाइन	25
4	हांसी-हिसार दोहरीकरण	23
5	न्यू फरीदाबाद-पलवल/पियाला कॉर्ड लाइन	15

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के पश्चात्, परियोजना की स्वीकृति के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और अपेक्षित अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि का मूल्यांकन अपेक्षित होते हैं। चूंकि परियोजनाओं को स्वीकृति देना सतत और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

*****